

राजस्थान-सरकार
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
(ग्रामीण विकास, अनुभाग-5)

क्रमांक एफ 27(82)/ग्रावि/गुप-5/जीकेएन/बीएसआर/बाडमेर/2015-16 जयपुर, दिनांक 18 सितम्बर, 2015

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
जिला परिषद (ग्राविप्र),
बाडमेर, राजस्थान।

विषय :- ग्रा.का.नि.- 2010 के पैरा 13.0 "ढेके पर कराये जाने वाले कार्यों" की प्रक्रिया के सम्बन्ध में।

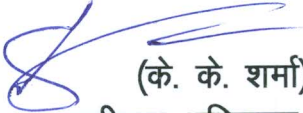
प्रसंग :- आपका पत्रांक 1227 दिनांक 25.06.2015.

उपरोक्त विषयान्तर्गत ग्रामीण कार्य निर्देशिका-2010 के स्थान पर विभागीय परिपत्र 17/2015 दिनांक 18.08.2015 द्वारा ग्रामीण कार्य निर्देशिका-2015 जारी कर तुरन्त प्रभाव से लागू कर दी गई है।

ग्रामीण कार्य निर्देशिका-2015 के भाग संख्या 1 के अनुच्छेद संख्या 46 में कार्यकारी संस्था व लाईन विभाग द्वारा कार्य सम्पादन करवाये जाने की प्रक्रिया/निर्देश वर्णित है।


यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि दिनांक 18 अगस्त, 2015 से प्रभावी ग्रामीण कार्य निर्देशिका का दिनांक 08-09 सितम्बर, 2015 को जिला स्तरीय तकनीकी व लेखा अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित कर बिन्दुवार विस्तृत जानकारी दी जा चुकी है, जिसमें आपके जिले से लेखा व तकनीकी अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया है।

अतः आपसे अनुरोध कि ग्रामीण कार्य निर्देशिका-2015 में ग्रामीण विकास के कार्य सम्पादित करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया वर्णित होने के उपरान्त भी उच्चाधिकारियों को भ्रामक जानकारी देते हुये अनावश्यक पत्राचार कर समय व्यर्थ न करें।


(के. के. शर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता, ग्रावि

प्रतिलिपि :-

1. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, ग्रावि एवं पंरावि।
2. निजी सचिव, शासन सचिव ग्रावि।
3. निजी सचिव, शासन सचिव पंरावि।
4. वित्तीय सलाहकार, ग्रावि/पंरावि।
5. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद् (ग्राविप्र) समस्त (बाडमेर को छोड़कर)।


अधीक्षण अभियन्ता (ग्रावि)